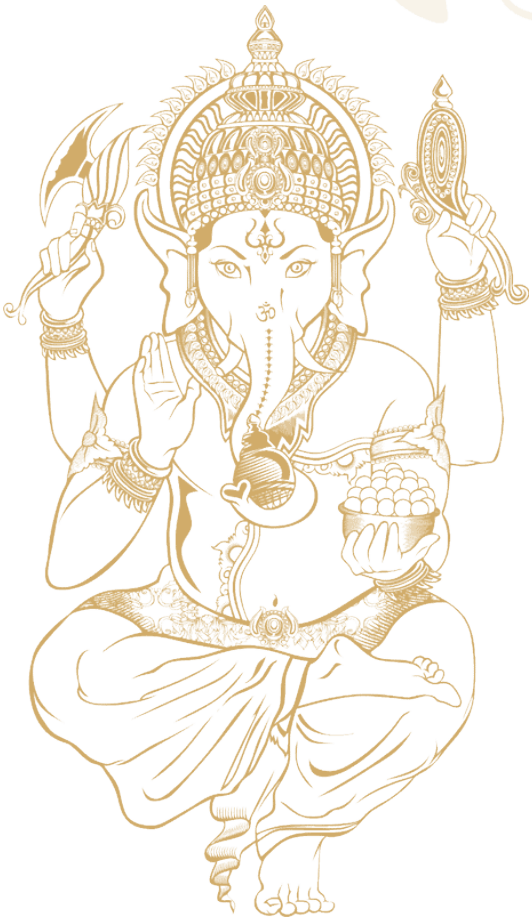

Mr. Swavik Shukla

30 Jan 2017

09:45 AM

Pune

Model: Varshphal-2017

Order No: 120287401

तिथि 30/01/2017 **समय** 09:45:00 **वार** सोमवार **स्थान** Pune **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:05:38
अक्षांश 18:34:00 उत्तर **रेखांश** 73:58:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:34:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	17:49:15 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:13:18 घं	योनि	अश्व
सूर्योदय	07:08:26 घं	नाड़ी	आद्य
सूर्यास्त	18:26:39 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2073	वश्य	मानव
शक संवत	1938	वर्ग	मेष
मास	माघ	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	वायु
तिथि	3	जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
नक्षत्र	शतभिषा	पाया(रा.-न.)	लौह-ताम्र
योग	वरियान	होरा	गुरु
करण	तैतिल	चौघड़िया	काल

विंशोत्तरी
राहु 10वर्ष 0मा 6दि

राहु	30/01/2017
	06/02/2027
	00/00/0000
	00/00/0000
	30/01/2017
बुध	07/08/2019
केतु	25/08/2020
शुक्र	25/08/2023
सूर्य	19/07/2024
चन्द्र	18/01/2026
मंगल	06/02/2027

योगिनी
धान्या 1वर्ष 8मा 1दि

भद्रिका	02/10/2022
	02/10/2027
भद्रिका	12/06/2023
उल्का	12/04/2024
सिद्धा	02/04/2025
संकटा	13/05/2026
मंगला	02/07/2026
पिंगला	12/10/2026
धान्या	13/03/2027
भ्रामरी	02/10/2027

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			02:28:38	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु	---	0:00			
सूर्य			16:22:01	मक	श्रवण	2	चंद्र	शनि	शत्रु राशि	1.25	भ्रातृ	पितृ	मित्र
चंद्र			12:34:48	कुंभ	शतभिषा	2	राहु	बुध	सम राशि	1.27	मातृ	मातृ	जन्म
मंगल			07:21:21	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	केतु	मित्र राशि	1.10	पुत्र	भ्रातृ	विपत
बुध			24:15:55	धनु	पूर्वाषाढ़ा	4	शुक्र	बुध	सम राशि	1.42	अमात्य	ज्ञाति	साधक
गुरु			28:58:00	कन्या	चित्रा	2	मंगल	शनि	शत्रु राशि	0.98	आत्मा	धन	अतिमित्र
शुक्र			02:13:24	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु	उच्च राशि	1.26	ज्ञाति	कलत्र	सम्पत
शनि			00:20:33	धनु	मूल	1	केतु	केतु	सम राशि	1.34	कलत्र	आयु	प्रत्यारि
राहु			09:18:29	सिंह	मघा	3	केतु	गुरु	शत्रु राशि		---	ज्ञान	प्रत्यारि
केतु			09:18:29	कुंभ	शतभिषा	1	राहु	गुरु	शत्रु राशि		---	मोक्ष	जन्म

लग्न-चलित

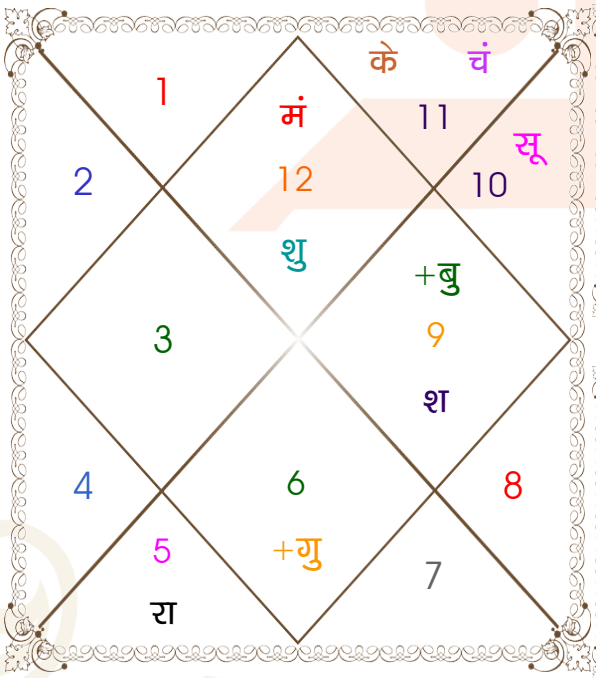

चन्द्र कुंडली

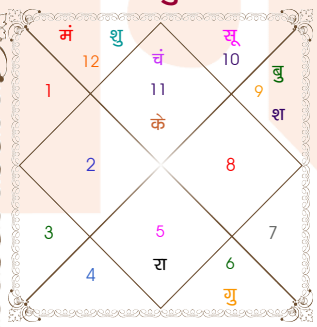

नवमांश कुंडली

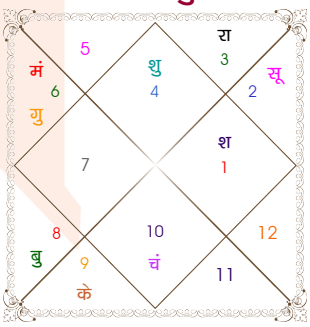

सर्वाष्टकवर्ग

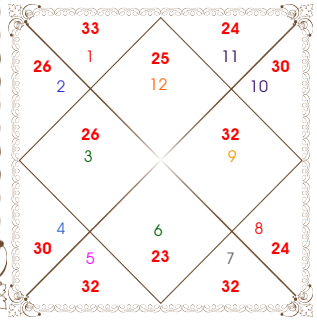

दशमांश कुंडली

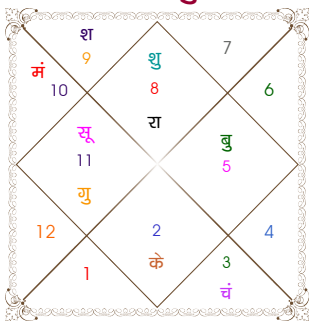

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे । साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा । साथ ही आप भी उनके लिए कल्याणकारी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे । इस समय आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा सांसारिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी सफल रहेंगे आनन्द पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी सुदृढ़ रहेंगी तथा आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी जिससे ऐश्वर्य से आप युक्त रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी प्राप्त होगा साथ ही किसी नवीन कार्य का प्रारंभ या पूर्व व्यापार में ही विस्तार की भी प्रबल संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस वर्ष आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा । समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की भी इस समय अभिवृद्धि होगी तथा लोगों से आपको यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यो में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों , बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा परन्तु यदा कदा शारीरिक कष्ट की भी अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक स्थिति सामान्यतया अच्छी ही रहेगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम तथा उत्साह से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको न्यूनाधिक सफलता भी मिलती रहेगी। शत्रुपक्ष से इस समय आपको परेशानी होगी परन्तु आप उनका सामना करने में समर्थ रहेंगे तथा अन्त में उन्हें पराजित कर सकेंगे। समाज में इस समय आपकी प्रतिष्ठा मध्यम रहेगी तथा आप मिथ्यावाद के कारण कठिनाई का सामना कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी इस समय सामान्य रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन तथा लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे समय समय पर लाभ एवं सहयोग मिलता रहेगा परन्तु इसमें न्यूनाधिक भाव रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा अत्यंत ही परिश्रम एवं पराक्रम से सफलता अर्जित करेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति के अवसर बनेंगे परन्तु इसमें अनावश्यक विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे। साथ ही व्यापार संबधी कार्यो में भी मन्दी रहेगी लेकिन स्व पराक्रम एवं परिश्रम से आप इच्छित लाभ अर्जित कर सकेंगे। इस वर्ष में आपको वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है तथा स्थान परिवर्तन या आवास संबधी योजना का प्रारंभ हो सकता है। इसके अतिरिक्त आपके अन्य रूके हुए कार्य भी इस वर्ष में पूर्ण होंगे। अतः समय का सदुपयोग करना चाहिए।

प्रथम मास

30/01/2025 11:03:27 से 01/03/2025 03:46:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	27:18:07
सूर्य		मकर	श्रवण	16:22:01
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	25:34:02
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:47:43
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:14:34
गुरु	व	वृष	रोहिणी	17:06:59
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	01:48:33
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:01:30
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:04:07
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	04:04:07
मुंथा		वृश्चिक	विशाखा	02:28:38

मासाधिपति

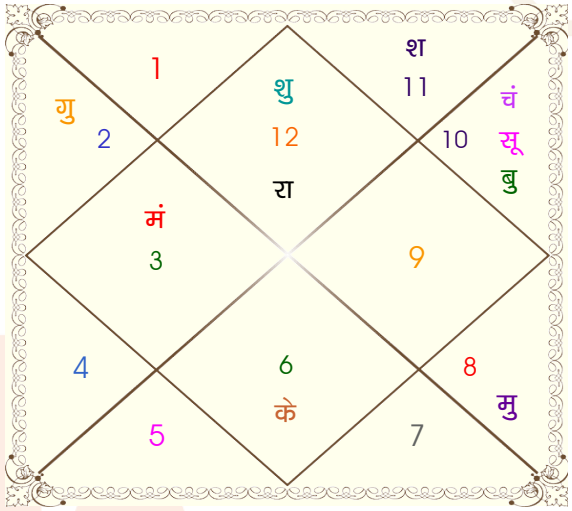

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न रहेगा। आपके घर में इस समय कोई धार्मिक उत्सव या कार्य भी सम्पन्न हो सकता है। सन्तति से आप सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको सुख की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी एवं अवसरानुसार आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे।समाज में यशार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में भी उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में भी इस समय वृद्धि होगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप मान सम्मान अर्जित करेंगे एवं मित्रों से मधुर संबन्ध रहेंगे। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा भी प्राप्त करेंगे।

साथ ही आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख तथा सन्तुष्टि भी प्राप्त करेंगे। इस मास में आप नवीन वस्त्रों तथा अन्य द्रव्यों को भी अर्जित करेंगे।अतः इससे आपको मानसिक रूप से प्रसन्नता प्राप्त होगी।

द्वितीय मास

01/03/2025 03:46:06 से 31/03/2025 06:42:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	पूर्वाषाढ़ा	23:22:54
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	16:22:01
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:39:00
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:56:57
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	01:57:28
गुरु		वृष	रोहिणी	18:03:34
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	16:36:08
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:28:16
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:11:30
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:11:30
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	04:58:38

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

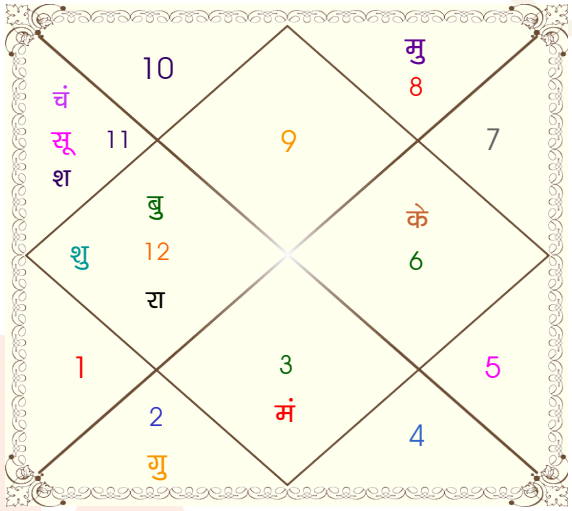

इस मास में आप शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आप दुष्ट मनुष्यों की संगति को प्राप्त करेंगे तथा व्यय भी काफी होगा जिससे आर्थिक एवं मानसिक रूप से आप कष्टानुभूति होगी। साथ ही शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे। काफी परिश्रम के बाद भी आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अल्प सफलता ही प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों को आप उचित सम्मान प्रदान नहीं करेंगे।साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते हैं। आपके मित्रों एवं सम्बन्धियों से तनावपूर्ण सम्बन्ध रहेंगे तथा नौकरी या व्यापारिक कार्यों में भी अनावश्यक रूप से बाधाएं या रूकावटें उत्पन्न होंगी। शत्रु पक्ष से भी आपके मन में भय तथा चिन्ता रहेगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी। अतः समय समय पर मन से बेचैनी भी रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त आदि से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगे तथा रक्तविकार का भी योग बनता है अतः सावधानीपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक कष्ट न हो सकें तथा शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी ध्यान रखें।

तृतीय मास

31/03/2025 06:42:35 से 30/04/2025 22:03:20 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	19:29:18
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	16:22:01
चन्द्र		मेष	अश्विनी	08:54:34
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	29:05:00
बुध	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:07:40
गुरु		वृष	रोहिणी	21:37:19
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:46:40
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:09:56
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	03:11:11
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:11:11
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	07:28:38

मासाधिपति

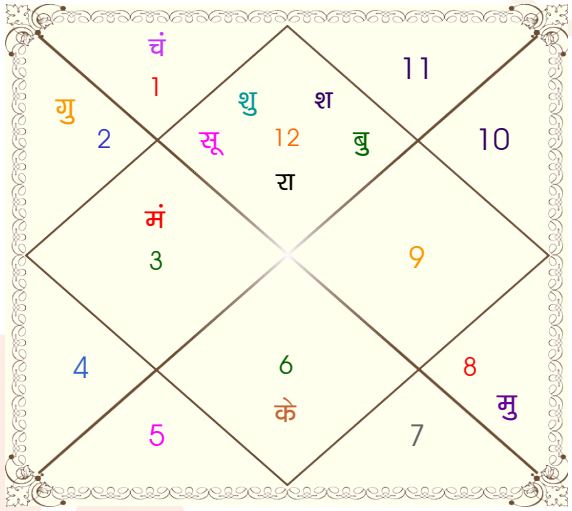

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धन लाभ अर्जित करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न होंगे। इस मास में आप घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। सन्तति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे तथा इनका आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन एवं सम्मान करने के लिए आप तत्पर रहेंगे। इस मास में समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगा तथा भाग्योदय सम्बन्धी कार्यों में वृद्धि तथा उन्नति होगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता की प्रबलता रहेगी एवं दूर समीप की आप कोई लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न करेंगे। मित्र तथा बन्धुवर्ग से इस समय सम्बन्धों में घनिष्ठता होगी। इसके अतिरिक्त आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

इसके साथ ही इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा वातोत्पन्न रोगों से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि का भी भय होगा जिससे हानि की आशंका बनी रहेगी। अतः संयम एवं सर्तकता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास

30/04/2025 22:03:20 से 01/06/2025 00:41:46 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:14:10
सूर्य		मेष	भरणी	16:22:01
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	26:51:05
मंगल		कर्क	पुष्य	11:14:25
बुध		मीन	रेवती	20:52:56
गुरु		वृष	मृगशिरा	27:05:48
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:46:22
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:36:22
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:18:17
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:18:17
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	09:58:38

मासाधिपति

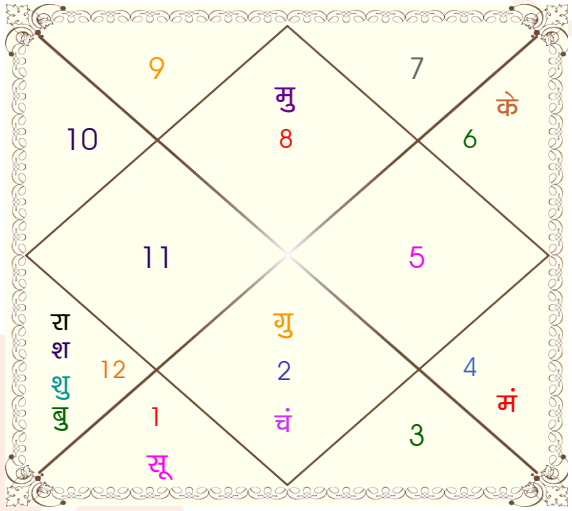

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मन से भी आप शान्त एवं सन्तुष्ट रहेंगे।साथ ही आपके पराक्रम में अभिवृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग आपसे चिन्तित, भयभीत एवं पराजित होंगे। आपके लाभमार्ग इस समय प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति में सुदृढता होगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस मास आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी आप काफी समय से प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे सुख भी प्राप्त करेंगे। सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप पूर्ण समर्थ रहेंगे तथा अपने उच्चाधिकारियों को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में भी आप सफल रहेंगे जिससे आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा उचित लाभ एवं सुख प्राप्त करने में आप समर्थ रहेंगे। इस मास में धर्मानुपालन में भी आप प्रवृत रहेंगे तथा समाज में पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करके प्रसन्नतापूर्वक अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

पंचम् मास

01/06/2025 00:41:46 से 02/07/2025 10:20:31 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	12:24:35
सूर्य		वृष	रोहिणी	16:22:01
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	18:38:38
मंगल		कर्क	आश्लेषा	26:44:21
बुध		वृष	रोहिणी	18:23:02
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	03:44:32
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:31:24
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:15:36
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:47:28
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:47:28
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	12:28:38

मासाधिपति

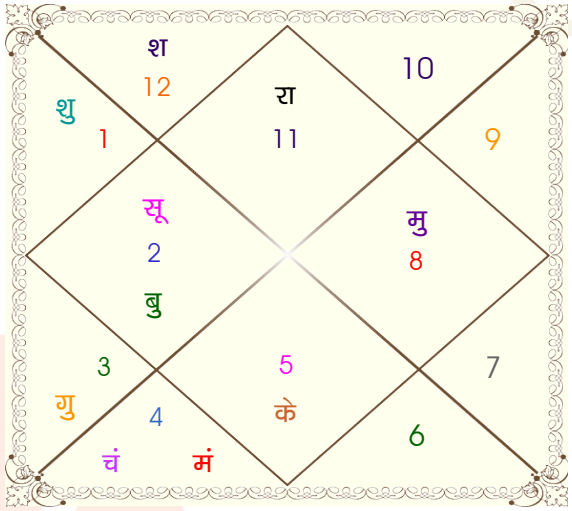

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास

02/07/2025 10:20:31 से 02/08/2025 20:37:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:05:20
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	16:22:01
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:36:31
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:15:05
बुध		कर्क	पुष्य	12:11:49
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	10:52:33
शुक्र		वृष	कृतिका	03:06:02
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:37:10
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:51:05
केतु		सिंह	उ०फाल्गुनी	26:51:05
मुंथा		वृश्चिक	अनुराधा	14:58:38

मासाधिपति

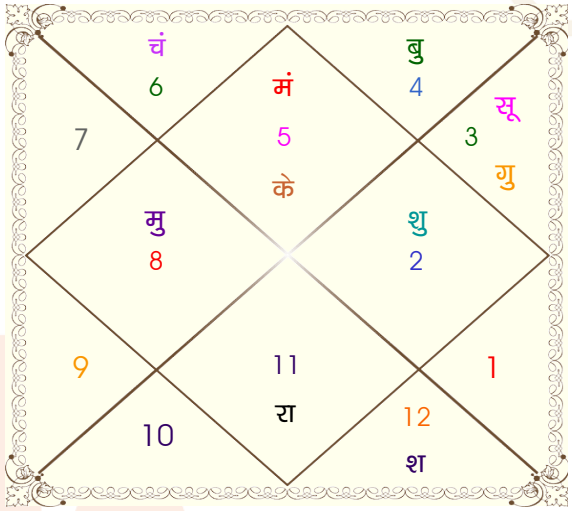

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास

02/08/2025 20:37:40 से 03/09/2025 00:59:34 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	शतभिषा	13:31:13
सूर्य		कर्क	पुष्य	16:22:01
चन्द्र		तुला	विशाखा	28:23:23
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:05:27
बुध	व	कर्क	पुष्य	13:36:07
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	17:50:42
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	08:38:25
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:22:14
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:50:25
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:50:25
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:28:38

मासाधिपति

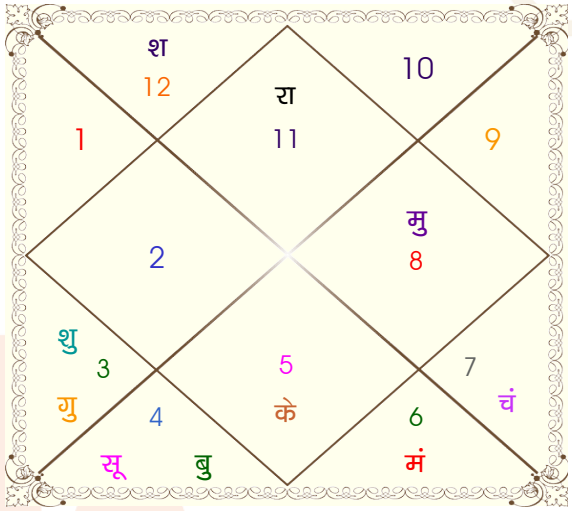

मासाधिपति : शुक्र

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
03/09/2025 00:59:34 से 03/10/2025 18:38:11 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	02:57:20
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:22:01
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:58:15
मंगल		कन्या	हस्त	22:52:30
बुध		सिंह	मघा	06:16:13
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:58:42
शुक्र		कर्क	पुष्य	15:31:12
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:40:47
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:09:26
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:09:26
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:58:38

मासाधिपति

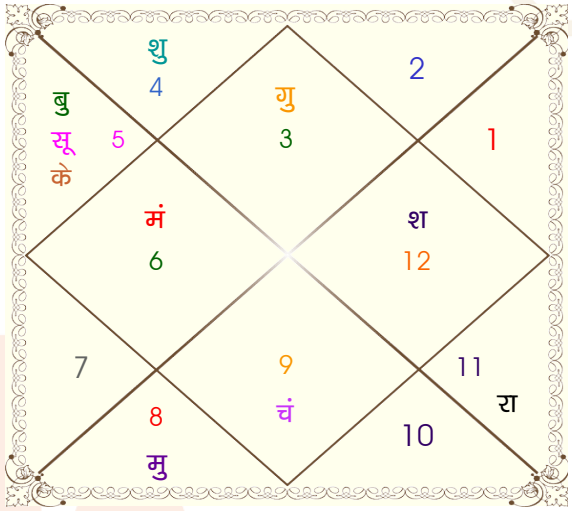

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिये सामान्यतया अशुभ रहेगा। अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। इस समय आपके शत्रु भी प्रबल रहेंगे तथा उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति तथा उद्विग्नता विद्यमान रहेगी। साथ ही इस मास में आपके धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहें। उच्चाधिकारी वर्ग से इस समय आपको पूर्ण सहयोग रखना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा आप दण्डित भी किए जा सकते हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में अल्प मात्रा में ही सम्पन्न होंगे एवं धन का व्यय भी अनावश्यक रूप में होता रहेगा। अतः आर्थिक दृष्टि से भी आप शिथिल हो सकते है। साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आप को बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबधियों से आपके संबधों में भी इस समय तनाव का वातावरण रहेगा तथा समाज से भी आप उपेक्षा प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितजनित रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा दुर्घटना अदि से भी शरीर में रक्त विकार की संभावना हो सकती है। इसके अतिरिक्त इस समय अग्नि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
03/10/2025 18:38:11 से 02/11/2025 23:49:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	22:53:43
सूर्य		कन्या	हस्त	16:22:01
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	28:24:28
मंगल		तुला	स्वाति	13:23:05
बुध		तुला	चित्रा	00:58:00
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:32:55
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:59:28
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:20:57
राहु		कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:00:45
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:00:45
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	22:28:38

मासाधिपति

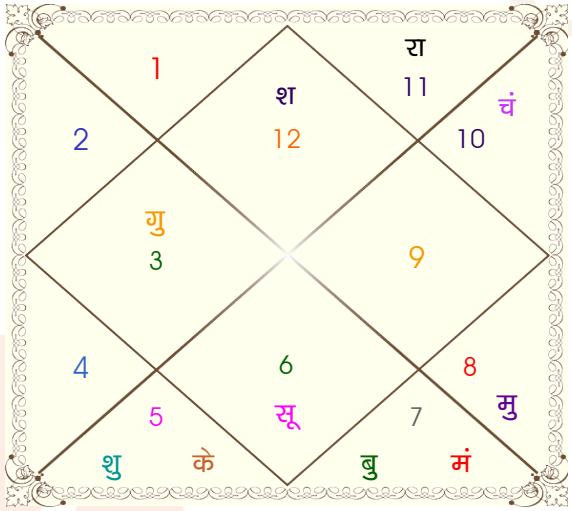

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास

02/11/2025 23:49:02 से 02/12/2025 18:08:43 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	11:02:50
सूर्य		तुला	स्वाति	16:22:01
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	07:22:55
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	04:30:31
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	09:39:20
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:48:08
शुक्र		तुला	चित्रा	00:33:00
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:29:59
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:48:58
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:48:58
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	24:58:38

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

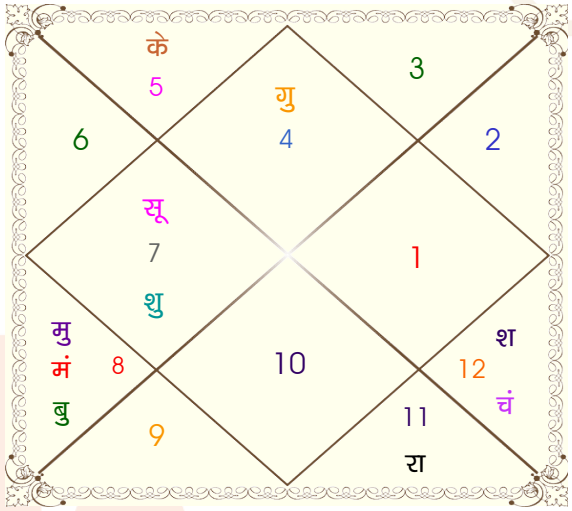

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रूचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

एकादश मास

02/12/2025 18:08:43 से 01/01/2026 05:58:19 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	20:21:56
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	16:22:01
चन्द्र		मेष	अश्विनी	11:38:20
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:12:29
बुध		तुला	विशाखा	27:08:14
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:12:52
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	07:53:51
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:57:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:55:36
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:55:36
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	27:28:38

मासाधिपति

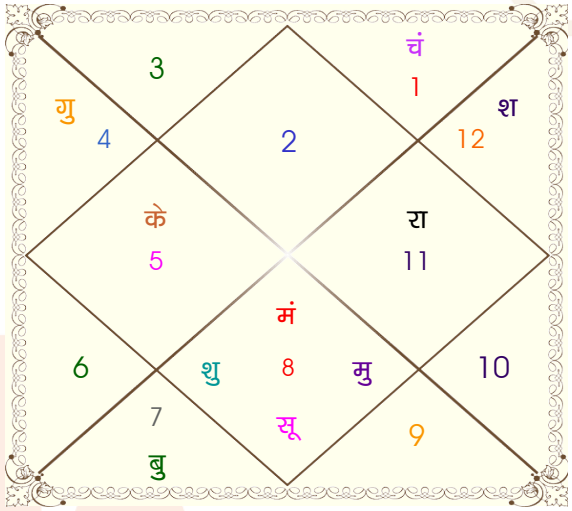

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे।अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते है जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

द्वादश मास

01/01/2026 05:58:19 से 30/01/2026 17:12:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:43:40
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:22:01
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:47:30
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:28:54
बुध		धनु	मूल	04:27:37
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:08:00
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	15:00:35
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:56:48
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	16:43:44
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:43:44
मुंथा		वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:58:38

मासाधिपति

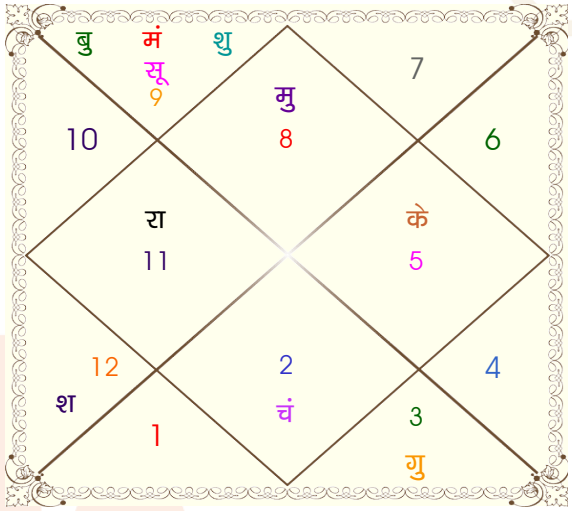

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं शान्तिपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस महीने आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही आयस्त्रोतों में वृद्धि होगी तथा वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे। इससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धनार्जन करेंगे। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी। इसके अलावा आपके चिर प्रतीक्षित महत्वपूर्ण कार्य भी इसी मास में सफल होंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सांसारिक कार्यो को सफल बनाने में भी आप समर्थ होंगे। आपका उच्चाधिकारी वर्ग भी इस समय आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग मिलता रहेगा।

साथ ही इस मास में स्त्री एवं पुत्र से आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं आदि प्राप्त करने में सफल हो सकते है। इस प्रकार आप सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।